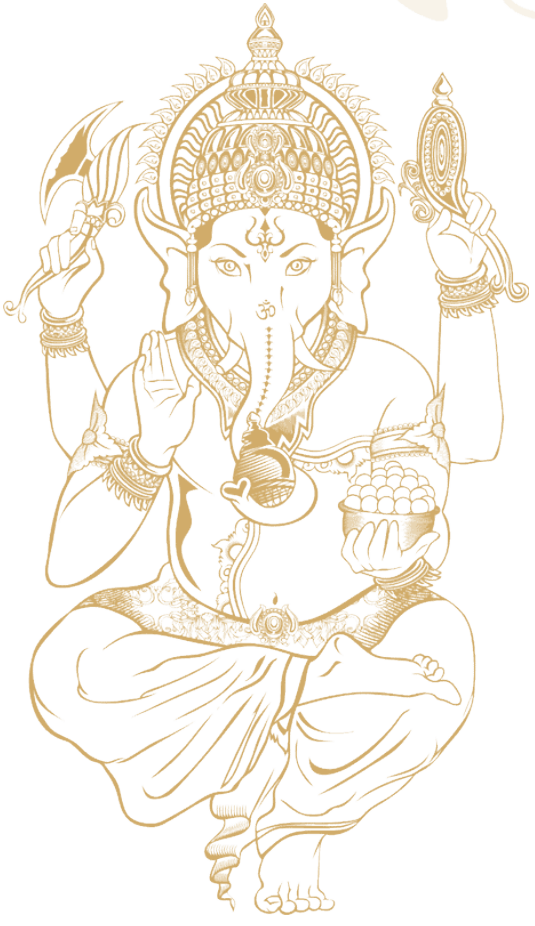

Swanik

Ms.Nivedita

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120913905

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
27/03/1998	जन्म तिथि	26-27/01/2003
शुक्रवार	दिन	रवि-सोमवार
घंटे 08:55:00	जन्म समय	06:00:00 घंटे
घटी 06:16:47	जन्म समय(घटी)	57:02:07 घटी
India	देश	India
Udaipur	स्थान	Khachrod
24:30:00 उत्तर	अक्षांश	23:25:00 उत्तर
75:50:00 पूर्व	रेखांश	75:20:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:26:40	स्थानिक संस्कार	-00:28:40 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:24:17	सूर्योदय	07:11:24
18:40:00	सूर्यास्त	18:11:04
23:49:50	चित्रपक्षीय अयनांश	23:53:45

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
गुरु 5वर्ष 11मा 27दि	28:44:56	मेष	लग्न	धनु	23:07:38	शनि 17वर्ष 5मा 21दि
बुध	12:25:53	मीन	सूर्य	मक	12:44:29	बुध
24/03/2023	28:20:26	कुंभ	चंद्र	वृश्चि	04:24:09	19/07/2020
23/03/2040	23:25:32	मीन	मंगल	वृश्चि	12:26:44	19/07/2037
बुध 20/08/2025	27:38:06	मीन	बुध	धनु	19:22:11	बुध 16/12/2022
केतु 17/08/2026	18:14:41	कुंभ	गुरु व	कर्क	20:03:02	केतु 13/12/2023
शुक्र 17/06/2029	25:57:06	मक	शुक्र	वृश्चि	26:35:27	शुक्र 13/10/2026
सूर्य 23/04/2030	27:20:02	मीन	शनि व	वृष	28:52:28	सूर्य 19/08/2027
चन्द्र 23/09/2031	16:35:33	सिंह व	राहु	वृष	13:02:37	चन्द्र 18/01/2029
मंगल 19/09/2032	16:35:33	कुंभ व	केतु	वृश्चि	13:02:37	मंगल 15/01/2030
राहु 08/04/2035	17:51:14	मक	हर्ष	कुंभ	03:40:09	राहु 03/08/2032
गुरु 14/07/2037	07:56:01	मक	नेप	मक	16:37:01	गुरु 09/11/2034
शनि 23/03/2040	14:09:41	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	25:13:58	शनि 19/07/2037

लग्न-चलित

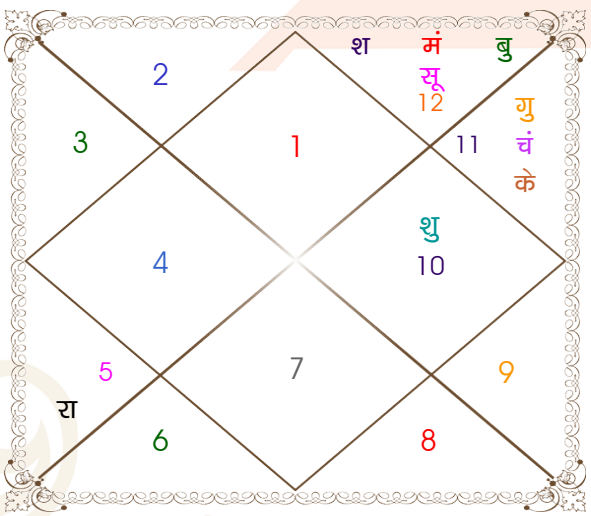

लग्न-चलित

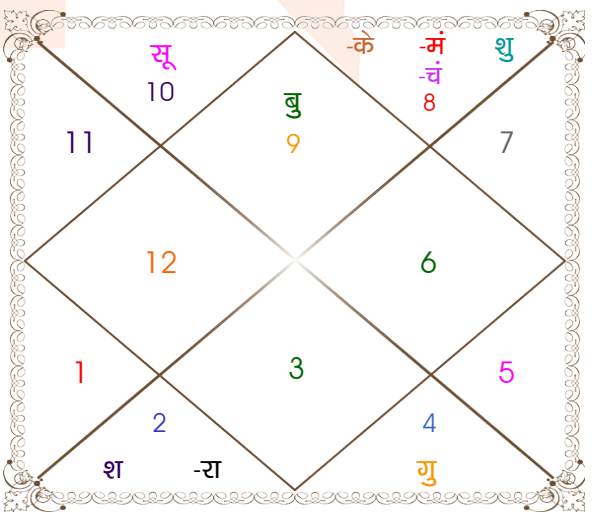

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	कीटक	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	सिंह	मृग	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	मंगल	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	देव	6	5.00	--	सामाजिकता
भकूट	कुम्भ	वृश्चिक	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	25.50		

Swanik का वर्ग सर्प है तथा Ms.Nivedita का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Swanik और Ms.Nivedita का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Swanik मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

Ms.Nivedita मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Ms.Nivedita कि कुण्डली में द्वादश भाव में वृश्चिक राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Ms.Nivedita कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र Ms.Nivedita कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Ms.Nivedita कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि Swanik कि कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Swanik तथा Ms.Nivedita में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।